

प्रकाशन 2011-12

1. एबरीक्यवु एस.ओ; फरोम्बी ई.ओ; कश्यप एम.पी; पंत ए.बी। कोलाविरोन एट्राजिन से उजागर पीसी-12 कोशिकाओं में अपोप्टोटिक कोशिका क्षय से सुरक्षा प्रदान करता है। फ्री रेडिकल रिसर्च: 45:2011; 1061-1073
2. एबरीक्यवु एस.ओ; फरोम्बी ई.ओ; पंत ए.बी। बाईफलेवेनोन - कोलाविरोन, एट्राजिन प्रेरित विषाक्तता से, मनुष्य की डोपामिनर्जिक एसएच-एसवाई5वाई कोशिकाओं को सुरक्षा प्रदान करता है। टॉक्सिकोलोजी इन विट्रो: 25:2011; 848-854
3. एबरीक्यवु एस.ओ; फरोम्बी ई.ओ; पंत ए.बी। बाईफलेवेनोयड्स - कोलाविरोन, एट्राजिन से एक्पोज़्ड PC12 कोशिकाओं को क्रमबद्ध कोशिका मृत्यु से बचाता है। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ टॉक्सिकोलोजी: 31:2012; 407-415
4. एबरीक्यवु एस.ओ; पंत ए.बी; फरोम्बी ई.ओ। 4-हाइड्रॉक्सीनोनीनाल एसएच-एसवाई5वाई मनुष्य तंत्रिका कोशिकाओं में माइटोकॉन्ड्रियल मध्यस्थ अपोप्टोसिस व ऑक्सीकारक तनाव प्रेरित करता है। बेसिक क्लिनिकल एवं फार्मेकोलॉजिकल टॉक्सिकोलोजी: 110; 2012; 441-448
5. एबरीक्यवु एस.ओ; पंत ए.बी; फरोम्बी ई.ओ। चूहे की सरटोली-जर्म कोशिकाओं के सह-संवर्धन में एट्राजिन द्वारा उत्पन्न कोशिकीय विषाक्तता पर क्वेरसेटिन का सुरक्षात्मक प्रभाव। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ एण्ड्रोलॉजी: 35:2012; 590-600
6. अग्रवाल एम; कुमार वी; कश्यप एम.पी; खन्ना वी.के; रंधावा जी.एस; पंत ए.बी। इश्चेमिक प्रेरित अपोप्टोसिस परिवर्तन पीसी 12 कोशिकाओं में ट्रांस-रेस्वेरोल का सुरक्षात्मक प्रभाव। यूरोपियन जनरल ऑफ फार्मेकोलॉजी: 666; 2011; 5-11
7. अहमद एम; अख्तर एम.जे; सिद्दीकी एम.ए; अहमद जे; मुसरत जे; अल-खेदारी ए.ए; अलसाही एम. एस; आरोकायन एस.ए। निकिल फेराइट नेनोपार्टिकल्स द्वारा सर्वाधिक ए549 कोशिकाओं में प्रेरित ऑक्सीडेटिव तनाव मध्यस्थ अपोप्टोसिस। टॉक्सिकोलॉजी: 283; 2011; 101-108
8. अहमद आई; खान एम.आई; पाटिल जी; चौहान एल.के। गेनाइट के माइक्रो व नेनों कणों के द्वारा मनुष्य के फेफड़े की फाइब्रोब्लास्ट कोशिकाओं आईएमआर-90 में प्रेरित कोशिकीय विषाक्तता, जीन विषाक्तता व प्रवाह प्रतिक्रिया का मूल्यांकन। टॉक्सिकोलॉजी लैटर्स: 208; 2012; 300-307
9. अख्तर एमजे; अहमद एम; खान एम.ए; अलरोकयन एम.ए; अहमद आई; कुमार एस। मानव फेफड़े की एपीथेलियल कोशिकाओं के दो अलग भौगोलिक क्षेत्रों में नैनो स्केल टेक्क कणों द्वारा कोशिकीय विषाक्तता व अपोप्टोसिस का प्रेरण। इन्वायरमेंटल टॉक्सिकोलॉजी: 2012; doi: 10:1002/tox.21766
10. अन्सारी एफ.ए; गुप्ता ए.के; युनुस एम। ताप बिजली घर जनित राख का बागवानी में उपयोग- लम्बी अवधि का आपदा प्रबन्धन। इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ इनवायरमेंटल रिसर्च: 5; 2011; 101-108

11. अंसारी आर.डब्ल्यू; शुक्ला आर.के; यादव आर.एस; सेठ के; पंत ए.बी; सिंह डी; अग्रवाल ए.के; इस्लाम एफ; खन्ना वी.के। विकासशील चूहों में लेम्बा- सायहेलोथ्रिन की तंत्रिका व्यवहार विषाक्तता में डोपामिनर्जिक और सिरोटोनेर्जिक तंत्रों की सहभागिता। टॉक्सिकोलॉजी लैटर्स: 211; 2012; 1-9
12. अंसारी आर.डब्ल्यू; शुक्ला आर.के; यादव आर.एस; सेठ के; पंत ए.बी; सिंह डी; अग्रवाल ए.के; इस्लाम एफ; खन्ना वी.के। विकासशील चूहों के व्यवहार सम्बंधी तंत्रिकातंत्र की विषाक्तता कोलीनर्जिक डिसफक्शन एवं आक्सीकारक तनाव में लेम्बा- सायहेलोथ्रिन की भूमिका। न्यूरो- टॉक्सिकोलॉजी रिसर्च: 22; 2012; 292-309
13. बाकरे ए; पटेल एस; पाण्डेय ए.के; बाजपेई एम; धवन ए। नगरीय निक्षालित अवमल द्वारा प्रेरित चुहिया के अंगों एवं ऊतकों में डीएनए एवं आक्सीकारकों को क्षति। टॉक्सिकोलोजी एण्ड इन्डस्ट्रियल हेल्थ: 28:2012; 614-623
14. भुई के; त्यागी एस; श्रीवास्तव ए.के; सिंह एम; राय पी; सिंह आर; शुक्ला वाई। ब्रोमेलिन नाभिक में एनएफ कप्पा बी का स्थानान्तरण प्रतिबन्धित करता है जिससे ह्यूमन एपीडर्मोइड कांसीनोमा ए431 एवं मेलानोमा ए375 कोशिकायें जी(2)/एम अवस्था से निकलकर अपोप्टोसिस ग्रस्त हो जाती है। मोलीकुलर कारसिनोजेनेसिस: 51; 2012; 231-243
15. चन्द्रा ए; श्रीवास्तव आर.के; कश्यप एम.पी; कुमार आर; श्रीवास्तव आर.एन; पंत ए.बी। साइटोकाइन एवं एन्टीमायक्रोबियल पेप्टाइड का चयनकारी प्रकटन: प्रतिप्रवाहक व जीवाणुरोधी क्षमता, मनुष्य के ओमेन्टल प्रतिरक्षा का आधार है। प्लास वन: 6; 2011; ई20446
16. चन्द्रा आर; अभिषेक ए; संखवार एम। रियोन श्रेणी के गूदे से कागज बनाने वाले उद्योग से प्राप्त काले रसायन घोल का जीवाणुओं द्वारा विरंजन व विषविहीनन व उसके उपापचयी उत्पादकों की पहचान। बायोरिसोर्स टेक्नॉलाजी: 102;2011; 6429-6436
17. चन्द्रा आर; यादव एस; भार्गव आर.एन; राय वी। पाइनीबेसिलस थाइअमीनो लाइटिक्स एवं बेसिलस सीरियस द्वारा एक्सजोनिक एवं मिश्रण परिस्थितियों में फीनोल का विघटन। वर्ड जर्नल आफ माइक्रोबायोलोजी एण्ड बायोटैक्नॉलोजी: 27;2011; 2939-2947
18. चतुर्वेदी आर.के; हेन्से टी; जौहरी ए; तिवारी एस.के; मिश्रा डी; अग्रवाल एस; किम वाई.एस। ट्रांसड्यूसर ऑफ रेगुलेटेड सीआरईबी- बाइंडिंग प्रोटीन (टीओआरसीएस) का लिप्यंतरण एवं हंटिंग्टन रोग में कार्य बाधित होता है। ह्यूमन एण्ड मॉलीकुलर जेनेटिक्स: 21;2012; 3074-3088
19. दीक्षित एस; खन्ना एसके, दास एम। रिवर्स फेस- HPLC द्वारा खाद्य पदार्थों में पाये जाने वाले मूल रंगों का एक सरल विधि द्वारा विश्लेषण। जनरल ऑफ एओएसी इन्टरनेशनल: 94: 2012; 1874-1881
20. द्विवेदी ए; मुस्तबा एस.एफ; कुशवाहा एच.एन; अली डी; यादव एन; सिंह एस.के; राय आर.एस। परिवेशीय यू.वी. किरणों के द्वारा लिवोफलो- क्सोसिन के प्रकाशीय उत्पादों एवं उनके प्रकाशसंवेदी क्रिया की पहचान। फोटोकेमेस्ट्री एण्ड फोटोबायोलोजी: 88; 2012; 344-355
21. द्विवेदी ए.डी; दुबे एस.पी; गोपाल के; सिलानपा एम। पीबी-2 एवं सीडी-4 आयनों के मिश्रण की

सतहीय तरल अवस्था के द्वारा अधिशोषण क्षमता में सुधार के लिये समतापीय मॉडलिंग। डिसेम्बर: 267;2011;25-33

22. द्विवेदी ए.डी; गोपाल के; जैन आर। नान-इस्टरायडल प्रदाह शामक दवा का प्रबल अधिशोषण माइक्रोवेव- असिस्टेड मीसोपोरस पदार्थ योजना, क्रियाविधि तथा लक्षण। प्रोसेज डिजाइन, मिकेनिजम एण्ड करेक्टराइजेशन. केमिकल इंजिनियरिंग जर्नल: 168; 2011; 1279-1288

23. फेरर-माइरलस् एन; कॉरचेरो जे.एल; कुमार पी; सिडैनो जे.ए; गुप्ता के.सी; विलावरडे ए; वैजाक्वेज ई। हिस्टिडीन बाहुल्य पेप्टाइड की जैविक क्रियाएँ; बायोटेक्नोलाजी तथा नैनोमेडिसिन का समावेश। माइक्रोबियल सेल फैक्ट्रीज: 10; 2011; 101

24. जार्ज जे; श्रीवास्तव ए.के; सिंह आर; शुक्ला वाई। साइपरमेथ्रिन अरक्षितता नियोप्लास्टिक परिवर्तन में शामिल प्रोटीन अभिव्यक्ति को चूहों की त्वचा में नियंत्रित करता है। प्रोटीओमीक्स: 11; 2011; 4411-4421

25. गोडवोले एम.एम; राव जी; पॉल बी.एन; मोहन वी; सिंह पी; खरे डी; बाबू एस; नाथ ए; सिंह पी.के; तिवारी एस। प्रजनन के दौरान आयोडीन की कमी से नवजात चूहों में अपरिपूर्ण संरचनात्मक व क्रियाशील फेफड़े। अमेरिकन जर्नल आफ फिजियोलोजी लंग सेल मालीकुलर फिजियो- लोजी: 302; 2012; L1037-1043

26. गोयल आर; त्रिपाठी एस.के; त्यागी एस; शर्मा ए; राम के.आर; चौधरी डी.के; शुक्ला वाई; कुमार पी; गुप्ता के.सी। रेखीय पी.ई.आई. नैनोकण इन विट्रो तथा इन वाइवो में पीडीएनए/एसआई आरएनए के कुशल वाहक। नैनोमेडिसिन: नैनोटेक्नॉलोजी, बायलोजी एण्ड मेडिसिन: 8; 2012; 167-175

27. गोयल आर; त्रिपाठी एस.के; वैजक्वेज ई; कुमार पी; गुप्ता के.सी। इनविट्रो तथा इन वाइवो में बढ़ी हुई जीन अभिव्यक्ति के लिये स्वतः सड़नशील पॉली (विनाइल अल्कोहल) - पॉलीईथाइलईमीन नैनोयौगिक का उपयोग। बायोमैक्रोमोलीक्यूलस्: 13; 2012; 73-83

28. गुप्ता ए; गुप्ता वी; सिंह ए.के; तिवारी एस; अग्रवाल एस; नाटू एस.एम; अग्रवाल सी.जी; नेगी एम.पी. एस; पंत ए.बी। उत्तर भारतीय महिलाओं में इण्टरल्यूकिन - 6 जी-174सी जीन बहुरूपता और सीरम रेसिस्टीन का स्तर। ह्यूमन एण्ड एक्सपेरीमेन्टल टोक्सीकोलोजी: 30; 2011; 1445-1453

29. गुरबानी डी; कुकशाल वी; लाउबेनथाल जे; कुमार ए; पाण्डेय ए; त्रिपाठी एस; अरोरा ए; जैन एस.के; रामचन्द्रन आर; एन्डरशन डी; धवन ए। 1,4- बेन्जोक्विनोन, 1,2 - नैफथोक्विनोन; 1,4 - नैफथोक्विनोन तथा 9,10 - फिनैन्थ्रोक्विनोन द्वारा मनुष्य में टोपोआइसोमरेस (प्) के एटीपी डोमेन को बाधित करने की क्रियाविधितोक्सीकोलोजिकल साइंसेज्: 116; 2012; 272-290

30. कपूर यू; श्रीवास्तव एम.के; श्रीवास्तव एल.पी। टेक्निकल इमीडाक्लोप्रिड का मादा चूहों के अण्डाशय रचना, हारमोन तथा एन्टीऑक्सिडेंट एन्जाइम्स पर विषाक्त प्रभाव। फूड एण्ड केमिकल टॉक्सिकोली: 49; 2011; 3086-3089

31. कश्यप एम.पी; सिंह ए.के; कुमार वी; यादव डी.के; खान एफ; जहान एस; खन्ना वी.के; यादव एस; पंत ए.बी। मोनोक्रोटोफोस, आरगेनो- फॉस्फेट कीटनाशी द्वारा उपचारित मानव कॉर्ड रक्त स्टेम कोशिकाओं में डब्ल्यूएनटी/जीएस के3ए/ए द्वारा अपोप्टोसिस प्रेरित। केटेनिन संकेतन का पीकेबी/एकेटी 1 माध्यम स्टेमस् सेल्स डिव.: 2012 doi:10.1089/scd.2012. 0220

32. केशवचन्द्रन सी; पंगेती बी.एस; बिहारी वी; फरीद एम; पाठक एम.के; श्रीवास्तव ए.के; माथुर एम। हवा में कणिक पदार्थ की सघनता एवं उसके राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, भारत के निवासियों के फेफड़ों की क्रियाओं पर प्रभाव। इन्वायरमेन्टल मॉनिटरिंग एण्ड एसेस्मेन्ट: 2012; doi: 1007/s. 10661- 012-2630-0

33. केशवचन्द्रन सी.एन; बिहारी वी; माथुर एन। उत्तर भारत के लखनऊ नगर के पुरुषों में सामान्य शरीर भार सूचकांक तथा उच्च वसा प्रतिशत। इण्डियन जर्नल आफ मेडिकल रिसर्च: 135; 2012; 72-77

34. खान एम.आई; मोहम्मद ए; पाटिल जी; नकवी एस.ए; चौहान एल.के; अहमद आई। आयरन आक्साइड नैनोपार्टिकल द्वारा फेफड़ों क एपिथीलियल कैंसर कोशिकाओं में प्रतिक्रियाशील आक्सीजन प्रजाति का प्रेरण। बायोमैटीरियलस्: 33; 2012; 1477-1488

35. खन्ना एस; लखेरा पी.सी; खण्डेलवाल एस। कैडमियम द्वारा सरटोली जर्म को-कल्चर में प्रारम्भिक जैवरसायनिक प्रभाव। टॉक्सीको- लॉजी: 287; 2011; 46-53

36. कुमार ए; पंत एम.सी; सिंह एच.एस; खण्डेलवाल एस। उत्तर भारतीयों में जीवन शैली तथा एक्सआरसीसीएफ और एक्सपीडी के मिश्रित प्रभाव से सिर एवं गले के कैंसर का जोखिम। म्यूटेशन रिसर्च: फंडामेन्टल मॉलीकुलर मैकेनिज्म म्यूटेशन: 729; 2012; 24-34

37. कुमार ए; पंत एम.सी; सिंह एच.एस; खण्डेलवाल एस। डीएनए सुधार जीन (एक्सआरसीसी1, एक्सपीडी तथा ओजीजी1) का उत्तर भारतीयों में पाये जाने वाले सिर एवं गले के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में कम प्रकटन। ट्यूमर बायोलोजी: 33; 2012; 111-119

38. कुमार ए; पंत एम.सी; सिंह एच.एस; खण्डेलवाल एस। उत्तर भारतीयों में पाये जाने वाले गले व सिर के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में ओजीजी1 एसईआर 326 सीवाईएस तथा 8 - आक्सोग्वानीन डीएनए हानि की भूमिका। म्यूटेशन रिसर्च: जेनेटिक टॉक्सीकोलॉजी इन्वायरनमेन्टल म्यूटाजेनेसिस: 726; 2011; 227-233

39. कुमार ए; सिंह बी.के; अहमद आई; शुक्ला एस; पटेल डी.के; श्रीवास्तव जी; कुमार वी; पाण्डे एच.पी; सिंह सी। चूहों में जिंक प्रेरित डोपामिनर्जिकतंत्रिका हानि में एनएडीपीएच आक्सीडेस तथा ग्लूटाथायोन की भूमिका पैराक्वाट तंत्रिका विषालुता से समानता। ब्रेन रिसर्च: 1438; 2012; 48-64

40. कुमार आर; दास एम; अंसारी के.एम। चूहों की त्वचा के ट्यूमर व मानव के स्क्वैमस कार्सिनोमा ए431 और मेलानोमा ए375 को कम करता है एवं एपाप्टोटिक कोशिका मृत्यु पर प्रभाव डालता है।

कार्सिनोजेनेसिस: 2012; doi:10.1093/carcin/ bgs219

41. कुमार आर; द्विवेदी पी.डी; धवन ए; दास एम; अंसारी के.एम। सिट्रीनीन द्वारा उत्पन्न प्रतिक्रियाशील आक्सीजन प्रजातियों द्वारा चूहे की त्वचा में कोशिका चक्र को बाधित कर आन्तरिक माइटोकॉण्ड्रिया के द्वारा कोशिका की मृत्यु। टॉक्सिकोलॉजिकल साइंसेज: 122; 2011; 557-566

42. कुमार एस; वर्मा ए.के; मिश्रा ए; त्रिपाठी ए; चौधरी बी.पी; प्रसाद आर; जैन एस.के; दास एम; द्विवेदी पी.डी। लाल राजमा के बीजों के पॉलीपेटाइड बाल्ब/सी द्वारा चूहों में दमा एवं एलर्जी नासाशोध से ज्ञात श्वसन एलर्जी। फूड रिसर्च इंटरनेशनल: 44; 2011; 2868-2879

43. कुमारी ए; कक्कड़ पी। एसिटामीनोफेन प्रेरित आक्सीकारक तनाव एवं चूहों की यकृत विषाक्तता से ल्युपिओल बचाता है। फूड केमिकल टॉक्सिकोलॉजी: 50; 2012; 1781-1789

44. कुमारी ए; कक्कड़ पी। ल्यूपीयॉल, दोनों ही इन वीवो एवं इन विट्रो अध्ययनों में, बैक्स/बी.सी.एल. 2 एवं आक्सीकारक तनाव प्रेरित माइटोकॉण्ड्रियल संकेतन सोपान में परिवर्तन कर एसिटामीनोफेन प्रेरित यकृत विषाक्तता को रोकता है। लाईफ साइंसेज; 90; 2012; 561-570

45. कुमारी आर; चतुर्वेदी पी; अंसारी एन.जी; मूर्थी आर.सी; पटेल डी.के। चाकलेट कैंडी में पोलिसाइक्लिक एरोमेटिक हाइड्रोकार्बन के विश्लेषण के लिए एक निष्कर्षण विधि की मान्यकरण एवं अनुकूलन। जनरल ऑफ फूड साइंसेज: 77; 2012; 43-49

46. लाफलैमी बी.ए; राम के.आर; वाल्फनर एम.एफ। झसोफिला मेलोनोगैस्टर की वीर्य रस प्रोटीएज (सेमोनेज) प्रोटियोलाइटिक प्रक्रिया और संभोग के बाद प्रजनन प्रक्रिया को नियन्त्रित करता है। प्लास जेनेटिक्स: 8; 2012; 1-11

47. लाई एक्स; इस्चमिटज़ यू; गुप्ता एस.के; भट्टाचार्या ए; कुंज एम; वालकेनहावर ओ; वीरा जे। कई और सहयोगी एमआईआरएनएज़ द्वारा विनियमित लक्ष्य केन्द्र जीन दमन का कम्प्यूटरीकृत विश्लेषण। न्युक्लिक एसिड रिसर्च: 40; 2012; 8818-8834

48. मलिक ए; वर्मा पी; सिंह ए.के; सिंह के.पी। पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन का गोमती नदी, भारत के पानी एवं तलहट में वितरण। इन्वायरमेन्टल मॉनिटरिंग एण्ड एसेस्मेन्ट: 172; 2011; 529-545

49. मानिकम एन; बजाज ए; सैनी एच.एस; शंकर आर। हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन का स्फिंगोमो- नास जाति एनएमओ5 द्वारा पृष्ठकमध्यस्थ बढ़ा जैव विघटन। बायोडिग्रेडेशन: 23; 2012; 673-682

50. मौर्या एस.के; राय ए; राय एन.के; देशपाण्डेय एस; जैन आर; रेडी मुडियम एम.के; प्रभाकर वाई.एस; बंदोपाध्याय एस। साइपरमेथ्रिन इपीडर्मल वृद्धिकारक रिसेप्टर संकेतन की ऑटोक्राइन/पैराक्राइन विधि के विघटन द्वारा एस्ट्रोसाइट अपोप्टोसिस को प्रेरित करता है। टॉक्सिकोलॉजिकल साइंसेज: 125; 2012; 473-487

51. मिश्रा ए; चन्द्र आर; मेहरोत्रा पी.के; बाजपेई पी; अग्रवाल डी। स्तन कैंसर रोगियों का ग्लूटाथॉयोन[ै]. ट्रांसफरेज़ ड1 एवं ज1 पॉलीमार्फिज़्म एवं न्योएडज्यूवेंट कीमोथेरेपी के प्रति अनुक्रिया। सर्जरी टूडे: 41; 2011; 471-476
52. मिश्रा डी; तिवारी एस.के; अग्रवाल एस; शर्मा वी.पी; चतुर्वेदी आर.के। प्रसवपूर्व कार्बोफयूरान प्रभावित बच्चों में हिप्पोकैम्पल न्यूरोजेनेसिस एवं सीखने की क्षमता तथा याद्दाश्त में कमी। टोक्सीकोलोजिकल साइंसेस: 127; 2012; 84-100
53. मिश्रा वी; अंसारी के.एम; खन्ना आर; दास एम। आर्जिमोन आयल और बटर यलो द्वारा प्रभावित पित्ताशय का बढ़ना। सेल बायलोजी एण्ड टाक्सिकोलोजी: 28; 2012; 149-159
54. मिश्रा वी; मिश्रा एम; अंसारी के.एम; चौधरी बी.पी; खन्ना आर; दास एम। सत्यानाशी का तेल और बटरयलो अपमिश्रित खाद्य तेल पित्ताशय कैंसर का कारण। यूरोपियन जनरल आफ कैंसर: 48; 2012; 2075-2085
55. मिश्रा ए; कुमार आर; मिश्रा वी; चौधरी बी.पी; रायसुद्दीन एस; दास एम; द्विवेदी पी.डी। मूंग क सक्षम एलर्जी कारकों की क्यूपिन सुपर फैमिली तथा बीज एल्बुमिन के सदस्य के रूप में पहचान। क्लिनिकल एण्ड एक्सपेरीमेन्टल एलर्जी: 41; 2011; 1157-1168
56. मुड़ियम एम.के; जैन आर; मौर्या एस.के; खान एच.ए; बंदोपाध्याय एस; मूर्ति आर.सी। चूहे के ऊतकों और रक्त में साइपरमेथ्रीन विश्लेषण के लिए कम घनत्व आधारित डीएलएलएमई के साथ जीसी-ईसीडी द्वारा विश्लेषित एक त्वरित विधि। जनरल ऑफ क्रोमेटोग्राफी बी: 895-6; 2012; 65-70
57. मुड़ियम एम.के; पाठक एस.पी; गोपाल के; मूर्ति आर.सी। ऊष्णकटिबन्ध प्रदेश के शहरी क्षेत्र में पीने के पानी की गुणवत्ता का अध्ययन। इन्वायरमेन्टल मॉनिटरिंग एण्ड एसेस्मेन्ट: 184; 2012; 461-469
58. नायर के.सी; बिहारी वी; पंगती बी.एस; पाठक एम.के; फरीद एम; माथुर एन; श्रीवास्तव ए.के। विशेष आर्थिक क्षेत्र के पास रहने वालों में विकास के साथ श्वसन सम्बन्धी समस्यायें। क्लीन टेक्नॉलोजी एण्ड इन्वायरमेन्टल पॉलिसी: 18; 2011; 697-702
59. पाण्डेय पी; खान ए.एच; वर्मा ए.के; सिंह के.ए; माथुर एन; किस्कू जी.सी; वर्मन एस.सी। लखनऊ शहर के पदार्थकणों द्वारा प्रदूषण में मौसमी रुझान बुलेटिन ऑफ इन्वायरमेन्टल कन्टामिनेशन एण्ड टॉक्सिकोलोजी: 88:2012; 265-270
60. पंत एन; पंत ए.बी; शुक्ला एम; माथुर एन; गुप्ता वाई; सक्सेना डी। थैलेट के इस्टर का वातावरणीय एवं प्रायोगिक प्रभाव मानव के शुक्राणुओं पर इसके विषवैज्ञानिक परिणाम। ह्यूमन एण्ड एक्सपेरीमेन्टल टाक्सिकोलोजी: 30; 2011; 507-514
61. पटेल सी.बी; बाजपेई पी; सिंह जी; उपाध्याय आर.एस; शंकर आर। एन्टीरोटॉक्सीजनिक एश्वेरीचिया कोलाई द्वारा पेयजल का प्रदूषण, क्यूपीसीआर आधारित संवर्द्धन युक्त जांच एवं मात्रात्मक निर्धारण।

इकोटॉक्सिकोलॉजी एवं इनवायरमेन्टल सेफटी: 74; 2011; 2292-2298

62. पाठक एस.पी; गोपाल के। सिल्वर आयनों का पीने के पानी के लिये एश्चेरीचिया कोलाई पर जीवाणुनाशक प्रभाव का मूल्यांकन। इनवायर- मेन्टल साइंस एण्ड पोल्यूशन रिसर्च इंटरनेशनल: 19; 2012; 2285-2290.

63. पाटिल जी; खान एम.आई; पटेल डी.के; सुल्ताना एस; प्रसाद आर; अहमद आई। डोलोमाइट के माइक्रो एवं नैनो-कणों का मानव फेफड़े की एपीथीलियल कोशिका A549 पर कोशिका विषाक्तता, ऑक्सीकारक तनाव, प्रदाहकारक एवं जीन विषाक्तता अनुक्रियाओं का मूल्यांकन। इनवायरमेन्टल टॉक्सिकोलोजी एण्ड फार्माको- लॉजी: 34: 2012; 436-445

64. पटनायक एस; दास एस.के; सेठी डी; कुमार ए; गुप्ता के.सी; कुमार पी। अभियन्त्रित पालिमेर संश्लेषण विधि की सहायता से 3 कार्बोक्सी- एलकिल माडिफाइड ओलिगोन्युक्लिओटाइड का संश्लेषण एवं रोगों के सूचक बायोचिप बनाने में उनका उपयोग। बायोकांज्यूट केमिस्ट्री: 23(3); 2012; 664-670

65. राजपूत एस.के; सिद्दीकी ए.एम; कुमार वी; मीना सी.एल; पंत ए.बी; जैन आर; शर्मा एस.एस। एल-पी ग्लू- (2-प्रोपाइल) - एल-प्रोएनएच (2), एक नये थाइरोट्रापिन रिलीसिंग हार्मोन के समघर्मी का सेरीब्रल इशचीमिया के इन विट्रो एवं इन वाइवो प्रतिरूपों पर रक्षात्मक प्रभाव। पेप्टाइड्स: 32; 2011; 1225-1231

66. रौजर्स जे.टी; मिक्कीलाईनिनि एस; कैनटुटी- कस्टेलविटरी आई; स्मिथ डी.एच; हुआंग एक्स.डी; बंदोपाध्याय एस; कैहिल सी.एम; मैक्सीचिनी एम.एल; लाहारी डी.के; ग्रिग एन.एच। अल्फा-सिन्यूक्लीन 5' अनट्रान्सलेटेड क्षेत्र लक्षित ट्रांसलेशन ब्लाकर्स। कार्डियक ग्लाइकोसाइड्स एवं पीसीफेन की एंटी अल्फा सिन्यूक्लीन दक्षता। जनरल आफ न्यूरोल ट्रांसमिशन: 118; 2011; 493-507

67. राय पी; जार्ज जे; श्रीवास्तव एस; त्यागी एस; शुक्ला वाई। चूहे के स्तन कैंसर में चाय के पालीफिनोल का सायक्लोआम्सीजिनेज-2 की लक्षित यत करके क्यूलिअर फैक्टर कप्पा बी, एकेटी एव बी 53 के माध्यम से दमनकारी प्रभाव। इन्वेस्टिगेशनल न्यू ड्रग्स: 29; 2011; 225-231

68. रोउली एम; सिंह एम; पंत एम.सी; परमार डी। ग्लूटाथिओन- एस- टॉसफरेज में बहुरूपता। सिर एवं गर्दन के कैंसर की संवेदनशीलता एवं उपचार। जीनोबायोटिका: 41; 2011; 1122-1130

69. संखवार एम.एल; यादव आर.एस; शुक्ला आर.के; पंत ए.बी; सिंह डी; परमार डी; खन्ना वी.के। कम आयु के चूहों में मोनोक्रोटोफास द्वारा कोलिनर्जिक क्रियाविधि पर दुष्प्रभाव। ह्यूमनएण्ड एक्सपेरीमेन्टल टॉक्सिकोलोजी: 31; 2012; 606-616

70. सौरभ के; परमार डी। नव निर्मित परिधि रक्त लिम्फोसाइड्स में साइटोक्रोम पी450 2बी 1/2 बी2 आइसोइन्जाइम के प्रमाण। बायोमार्कर्स: 16; 2011; 649-656

71. सक्सेना एन; अंसारी के.एम; कुमार आर; चौधरी बी.पी; द्विवेदी पी.डी; दास एम। पैटुलिन प्रेरित

त्वचा कैंसर में माइटोजन एक्टिवेटेड काइनेज़ की भूमिका। टॉक्सिकोलोजी एण्ड एप्लाइड फार्माकोलोजी: 257; 2011; 264-271

72. सकसेना पी; पंत वी.ए; वाघवानी के.के; कश्यप एम.पी; गुप्ता एस.के; पंत ए.बी। प्रोपोलिस का कल्चर्ड मानव पेरीओडॉन्टल अस्थिबंध कोशिकाओं के संचयन माध्यम के रूप में क्षमता का आंकलन। डेन्टल ट्रॉमाटोलोजी: 27: 2011; 102-108

73. सकसेना एस; खन्ना वी.के; पंत ए.बी; मेयर सी.एच; सिंह वी.के। सीरम में बढ़े हुए द्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर का प्रोलिफरेटिव एल्स रोग में बढ़े हुए रेटिनल इश्चीमिया से संबंध। पैथोबायोलोजी: 78: 2011; 261-265

74. शर्मा ए; दिनेश के; यादव एस; जैन एस.के; पंत एम.सी; परमार डी। चूहों से तुरंत पृथक की गयी रक्त लिम्फोसाइट में साइटोक्रोम पी450जेडए आइसोजेन्स; मानव रोगसम्बन्धी अध्ययन वैधीकृत बायोमार्कर। जीनोबायोटेक: 2012; doi:10-3109/00498254-2012-717728

75. शर्मा ए; मिश्रा एम; शुक्ला ए.के; कुमार आर; आब्दीन एम; चौधरी डी.के। आर्गेनोक्लोरीन कीटनाशक इन्डोसल्फान ने ड्रोसोफिला मिलानोगैस्टर में कोशिकीय एवं जैविक प्रतिक्रिया प्रेरित की। जर्नल ऑफ हर्जार्स मैटीरियल: 221-222; 2012; 275-287

76. शर्मा ए; सौरभ के; यादव एस; जैन एस.के; परमार डी। परिधीय लिम्फोसाइट में इथेनोल प्रेरित साइट्रोडोम पी450 2ईआई1 तथा माइटोजन एक्टिवेटेड प्रोटीन काइनेज़ का सक्रियण। जीनोबायोटेक: 42; 2012; 317-326

77. शर्मा एस; चतुर्वेदी जे; चौधरी बी.पी; सिंह आर.एल; कक्कड़ पी। एसीटामिनोफेन प्रेरित यकृत विषाक्तता के विरुद्ध प्रोबायोटिक एन्टेरोकॉक्कस लेक्टिस का सुरक्षात्मक प्रभाव। न्यूट्रीशन: 28; 2012; 173-181

78. शर्मा वी; अंडरसन डी; धवन ए। मानव यकृत कोशिकाओं में जिंक ऑक्साइड नेनोपार्टिकल द्वारा प्रेरित ऑक्सीकारक डीएनए क्षय तथा आरओएस- जनित माइट्रोकाण्ड्रिया मध्यस्थ अपोप्टोसिस। अपोप्टोसिस: 17; 2012; 852-870

79. शर्मा वी; सिंह पी; पाण्डेय ए.के; धवन ए। जिंक ऑक्साइड नेनोपार्टिकल को मुख द्वारा दिये जाने पर चूहे के यकृत में प्रेरित ऑक्सीकारक तनाव, डीएनए क्षय तथा अपोप्टोसिस। म्यूटेशन रिसर्च: जेनेटिक टॉक्सिकोलोजी एण्ड इन्वायरमेन्टल म्यूटाजेनेसिस: 745; 2012; 84-91

80. शुक्ला ए.के; प्रज्ञा पी; चौधरी डी.के। ड्रोसोफिला मेलेनोगास्टर में इन विट्रो ऑक्सीकारक क्षय का पता करने के लिये एक परिवर्तित क्षारीय कॉमेन्ट एसे। म्यूटेशन रिसर्च: जेनेटिक टॉक्सिकोलोजी एण्ड इन्वायरमेन्टल म्यूटाजेनेसिस: 726; 2011; 222-226

81. शुक्ला एम; कुमार पी; मिश्रा वी; चौधरी बी.पी; मुन्जल ए.के; त्रिपाठी एस.एस; राउसुद्दीन एस; पौल बी.एन। एफ1 माउस के बच्चों के हिमेटोपोइटिक साइटोकाइन्स पर सिगरेट के धुयें का प्रभाव। मोलीकुलर इम्युनोलोजी: 48; 2011; 1809-1817
82. शुक्ला आर.के; कुमार ए; गुरबानी डी; पाण्डेय ए.के; सिंह एस; धवन ए। टाइटेनियम डाईआक्साइड नैनोपार्टिकल द्वारा मानव यकृत कोशिकाओं में प्रेरित डीएनए क्षय और अपोप्टोसिस। नैनोटॉक्सिकोलोजी: 2011;doi:10.3109/ 17435390.2011.629747
83. सिद्दीकी एच; आशिकन एम; प्रसाद आर; आरिफ जे.एम; पाटिल टी.एन; अहमद आई। औद्योगिक स्वास्थ्य विज्ञान एवं विषाक्तता का असंगठित अस्थि आधारित औद्योगिक इकाइयों में अध्ययन। इन्वायरमेन्टल मॉनिटरिंग एण्ड एसेस्मेन्ट: 176; 2011; 213-223
84. सिद्दीकी एम.ए; कश्यप एम.पी; अल-खेधरी ए.ए; मुर्सरत जे; खान वी.के; यादव एस; पंत ए.बी। पीसी12 कोशिकाओं को 4-हाइड्रॉक्सीनोनिनाल और 6- हाइड्रॉक्सीडोपामिन के को-एक्सपोजर के विरुद्ध 17 बीटाएस्ट्राडियोल का सुरक्षात्मक प्रभाव। ह्यूमन एण्ड एक्सपेरीमेन्टल टॉक्सिको- लोजी: 30; 2011; 860-869
85. सिद्दीकी एम.ए; कश्यप एम.पी; कुमार वी; त्रिपाठी वी.के; खन्ना वी.के; यादव एस; पंत ए.बी। हल्दी से पूर्व, सह, और पश्च उपचार पीसी 12 कोशिकाओं में हाइड्रोजन परॉक्साइड की उपस्थिति में देने पर विभेदात्मक सुरक्षा। ह्यूमन एण्ड एक्सपेरीमेन्टल टॉक्सिकोलोजी: 30; 2011; 192-198
86. सिद्दीकी एम.ए; कुमार वी; कश्यप एम.पी; अग्रवाल एम; सिंह ए.के; खन्ना वी.के। पीसी12 कोशिकाओं को 4 हाइड्रॉक्सीनोनिनाल से कम अवधि तक एक्सपोज करने पर माइटोकॉन्ड्रियल मध्यस्थ अपोप्टोसिस का प्रेरण। ह्यूमन एण्ड एक्सपेरीमेन्टल टॉक्सिकोलोजी: 31; 2012; 392-410
87. सिंह ए.के; कश्यप एम.पी; जहान एस; कुमार वी; त्रिपाठी वी.के; सिद्दीकी एम.ए; यादव एस; खन्ना वी.के; दास वी; जैन एस.के; पंत ए.बी। मानवीय कॉर्ड रक्त सीडी34+स्टेम कोशिकाओं से व्युत्पन्न विभिन्न तंत्रिका कोशिकाओं में साइट्रोक्रोम पी 450 (सीवाईपी1ए1, 2बी6, 2ई1, 3ए4) का प्रकटन व प्रेरणीयता। टोक्सिको- लोजिकल साइंसेज्: 129; 2012; 392-410
88. सिंह ए.के; तिवारी एम.एन; ओम प्रकाश; सिंह एम.पी। साइपरमेथ्रिन प्रेरित तंत्रिकाविषाक्तता और नाइग्रोस्ट्रियटल डोपामिनर्जिक तंत्रिकाक्षय: एक वर्तमान समालोचना। करेन्ट न्यूरो फार्माकोलोजी: 10; 2012; 64-71
89. सिंह ए.के; तिवारी एम.एन; उपाध्ययाय जी; पटेल डी.के; सिंह डी; प्रकाश ओ; सिंह एम.पी। दीर्घ कालीन तक सायपरमेथ्रिन का एक्सपोजर वयस्क चूहों में नाइग्रोस्ट्रियटल डोपामिनर्जिक तंत्रिकाक्षय को प्रेरित करता है: जन्मोत्तर एक्सपोजर वयस्कता के दौरान संवेदनशीलता को बढ़ाता है। न्यूरोबायोलोजिकल एजिंग: 33; 2012; 404-415

90. सिंह बी.के; त्रिपाठी एम; चौधरी बी.पी; पाण्डेय पी.के; कक्कड़ पी। प्राकृतिक टरपीन्स निमेसुलाइड प्ररित यकृत विषाक्तता के समयमाइटोकाण्ड्रियल डिस्फंक्शन, आक्सीकारक तनाव एवं अपोप्टोसिस प्रोटीन्स के निस्तारण से बचाता है। प्लास वन; 2012; 7; e34200
91. सिंह ए.पी; पंत एम.सी; रूआली एम; शाह पी.पी; प्रसाद आर; माथुर एन; परमार डी। पुरुषों के फेफड़ों में स्कवैमस कोशिका कार्सिनोमा के खतरों के आंकलन में साइटोक्रोम P450 1A2 एवं खतरों के कारकों में पारस्परिक क्रिया। कैंसर बायोमार्करस: 8; 2011; 351-359
92. सिंह जी; बाजपेई पी; रानी एन; ज्योती ए; गुप्ता के.सी; शंकर आर। सतही पानी से एस. टायफीम्यूरियम का बायोकेप्चर, एप्टामर द्वारा, संवर्धन-मुक्त मात्रा निर्धारण के लिये। इकोटॉक्सीकोलॉजी इनवायरमेन्टल सेफटी: 78; 2012; 320-326
93. सिंह के.पी; बसंत एन; गुप्ता एस। पानी के गुणवक्ता प्रबंधन में सहायक वेक्टर यांत्रिकी। एनालेटिक केमिका एक्टा: 703; 2011; 152-162
94. सिंह के.पी; गुप्ता एस। कीमोमेट्रिक्स और कुशल प्रयोगशाला तंत्र। किमोमेट्रिक्स इन्टरनेशनल लैब सिस्टमस: 114; 2012; 122-131
95. सिंह के.पी; गुप्ता एस; कुमार ए; शुक्ला एस.पी। शहरी वायु की गुणवक्ता की भविष्यवाणी के लिये रेखीय व अरेखीय मॉडलिंग पद्धति। साइंस आफ टोटल इन्वायरमेन्ट: 426; 2012; 244-255
96. सिंह के.पी; गुप्ता एस; ओझा पी; राय पी। क्रत्रिम कुशल आधारित मॉडलिंग पद्धति का प्रयोग करके तरल विलयन से क्लोरोफिनोल का अधिशोषणीय निष्कासन। इन्वायरमेन्टल साइंस एण्ड पालूशन रिसर्च: 2012; कवपेरु10प1007े11356.012.1102.ल
97. सिंह के.पी; राय पी; पाण्डेय पी; सिन्हा एस। सतह के जल (पेयजल का स्रोत) की ट्राइहिलोमेथेन बनाने की क्षमता की मॉडलिंग व ऑप्टिमाइजेशन, बॉक्स-बेछ्केन डिजाइन द्वारा। इन्वायरमेन्टल साइंस एण्ड पालूशन रिसर्च: 19; 2012; 113-127
98. सिंह के.पी; सिंह ए.के; गुप्ता एस। नाइट्रेट उपचयन का ऑप्टिमाइजेशन तरल माध्यम में ईडीटीए अपघटित उदासीन द्विधातुकीय नेनोपार्टिकल द्वारा। इन्वायरमेन्टल साइंस एण्ड पालूशन रिसर्च: 19; 2012; 3914-3924
99. सिंह के.पी; सिंह ए.के; गुप्ता एस; राय पी। उदासीन द्विधातुकीय नेनोपार्टिकल द्वारा तरल विलियम में क्लोरेमफेनिकोल के कम होते अपघटन की मॉडलिंग व ऑप्टिमाइजेशन। इन्वायरमेन्टल साइंस एण्ड पालूशन रिसर्च इन्टरनेशनल: 19; 2012; 2063-2078
100. सिंह के.पी; सिंह ए.के; गुप्ता एस; सिन्हा एस। रेसपोन्स सरफेस मॉडलिंग पद्धति का प्रयोग करके उदासीन द्विधातुकीय नेनोपार्टिकल द्वारा क्रोमियम (VI) के उपचयन का ऑप्टिमाइजेशन। डिसेलीनेशन: 270; 2011; 275-284

101. सिंह के.पी; सिंह ए.के; सिंह यू.वी; वर्मा पी। बॉक्स- बेहन्केन डिजाइन का प्रयोग करके चुम्बकीय नैनौयौगिकों द्वारा पानी से आईबूप्रोफेन के निवारण का आप्टिमाइजेशन। इन्वायरमेन्टल साइंस एण्ड पालूशन रिसर्च इन्टरनेशनल: 19; 2011; 724-738
102. सिंह एम; सिंह पी; शुक्ला वाई। वानस्पतिक रसायनों द्वारा कैंसर के रासायनिक निवारण में नयी रणनीतियाँ। फ्रन्टियर्स इन बायोसाइंसेस: 4; 2012; 426-452
103. सिंह एन; निगम एम; रंजन वी; जैदी डी; गर्ग वी.के; शर्मा एस; चतुर्वेदी आर; शंकर आर; कुमार एस; शर्मा आर; मित्रा के; बालापुर ए.के; रथ एस.के। सायक्लोफॉस्फामाइड उपचारित ब्रेस्ट ट्यूमर एक्सप्लान्ट व एमसीएफ-7 कोशिकाओं में, रेस्वरट्रोल एक सहायक उपचार के रूप में। कैंसर साइंस: 102; 2011; 1059-1067
104. सिंह पी; लता पी; पटेल एस; पाण्डेय ए.के; जैन एस.के; शंकर आर; धवन ए। साइपरमेथ्रिन दिये हुये चूहे के मस्तिष्क में विषाक्तता पथ के जीन का रियल टाइम पीसीआर द्वारा प्रकटन का विवरण। टॉक्सिकोलोजी मैकेनिज्म एण्ड मेथड्स: 21:2011; 193-199
105. सिंह आर; मिश्रा वी; सिंह आर.पी। टेनरी के कूड़े से दूषित भूमि में क्रोमियम ;अपद्ध का नैनोस्केल जीरो वैलेन्ट आयरन ;द्रअपद्ध द्वारा अलगाव। बुलेटिन ऑफ इन्वायरमेन्टल कन्टामिनेशन एण्ड टॉक्सिकोलोजी: 88: 2012; 210-214
106. सिंह आर; मिश्रा वी; सिंह आर.पी। दूषित भूमिगत जल से जीरो वैलेन्ट आयरन नैनोकणों के उपयोग से हैक्सावैलेन्ट क्रोमियम का अलगाव। इन्वायरमेन्टल मॉनिटरिंग एण्ड एसेस्मेन्ट: 184; 2012; 3643-3651
107. सिंह वी.के; पाठक एम.के; बिहारी वी; ज्योति; पटेल डी.के; माथुर एन। सिगरेट पीने वालों में आक्सीकारक तनाव प्रेरित तंत्रिका चालन कमजोरियों का अध्ययन। जनरल आफ इन्वायरमेन्टल बायोलोजी: 32; 2011; 39-42
108. सिंघल एन.के; श्रीवास्तव जी; अग्रवाल एस; जैन एस.के; सिंह एम.पी। पार्किंसन रोग में मेलाटोनिन का प्रयोग चूहों में एक न्यूरोप्रोटेक्टिव योगिक की भांति: एक अकाद्यू नैदानिक विधि। मालीकुलर न्यूरोबायोलोजी: 45; 2012; 186-199
109. स्मिता एस; गुप्ता एस.के; बर्टोनोवा ए; दुनिशका एम; गुटलेब ए.सी; रेहमान क्यू। नैनोपार्टिकेल्स का वातावरणीय आंकलन में एक कारात्मक रेखाचित्र। इनवायरनमेन्टल हेल्थ: 11; 2012; सप्लीमेंट 1: एस 13doi: 10.1186/1476-069-11-S1-S13
110. श्रीवास्तव ए; यादव एस; शर्मा ए; द्विवेदी यू; फलोरा एस; परमार डी। चूहों के लिम्फोसाइड और फेफड़ों में डीजल निकास द्वारा जनित विकृतियों (साइटोक्रोम पी-450 और ग्लूटथायोन एस ट्रांसपफरेज) में समानता। जिनोबायोटिका: 42; 2012; 624-632

111. श्रीवास्तव ए.के; अली डब्ल्यू; सिंह आर; भुज के; त्यागी एस; अल-खेदरी ए.ए; श्रीवास्तव पी.के; मुसररत जे; शुक्ला वाई। सम्वर्धित मानव लिम्फोसाइड में मैकोजेब जनित जिनोटॉक्सिसिटी और अपोप्टोसिस। लाइफ साइंसेस्: 90; 2012; 815-824
112. श्रीवास्तव ए.के; केशवचन्द्रन सी.एन; कुमार एस। इलेक्ट्रॉनिक निसकासन द्वारा जनित नैदानिक असुरक्षा का विश्लेषण। रिब्यू आफ इन्वायरमेन्टल कन्टामिनेशन एण्ड टॉक्सिको- लोजी: 214; 2011; 1-14
113. श्रीवास्तव ए.के; श्रीवास्तव पी.के; अल-खेदरी ए.ए; मुसररत जे; शुक्ला वाई। स्विस् एलवीनो चूहे में एलीथ्रिन जनित जिनोटॉक्सिसिटी और ऑक्सीडेटिव तनाव। म्यूटेशन रिसर्च: जेनेटिक टॉक्सिकोलोजी एण्ड इन्वायरमेन्टल म्यूटाजे- नेसिस: 743; 2012; 22-28
114. श्रीवास्तव जी; दीक्षित ए; यादव एस; पटेल डी.के; प्रकाश ओ; सिंह एम.पी। रेक्बराट्रोल, मैनब एवं पैराक्वेट-जनित पार्किंसन रोगग्रस्त चूहे में साइटोक्रोम पी450 2डी22 मध्यस्त तंत्रिका संरक्षण को शक्ति प्रदान करता है। फ्री रेडिकल बायोलोजी एण्ड मेडिसिन: 52; 2012; 1294-1306
115. तबाता एम; इंडो आर; इटो एम; ओतुस्बो वाई; कुमार ए; तसुदा एम; नगाटा वाई। स्फिंगोमोनास स्पी. MM-1 में गामा हेम्साक्लोरो साइक्लोहेम्सेन के अध्ययन के लिये लिन जीन विविध प्लास्मिडस फैला हुआ सिद्ध किया गया है। बायो साइंस बायो टेक्नोलॉजी एण्ड बायो केमिस्ट्री: 75; 2011; 446-472
116. त्रिपाठी एस.के; यादव एस; गुप्ता के.सी; कुमार पी। एन-(2, 3-डाईहाइड्राक्सीप्रोपाइल)-पीईआई का संश्लेषण एवं विश्लेषण एक समर्थ न्यूक्लिक एसिड संवाहक के रूप में। मोलीकुलर बायो सिस्टमस् 8; 2012; 1426-1434
117. त्रिपाठी एस.के; गोयल आर; गुप्ता के.सी। क्रॉसलिंक्ड डेक्सट्रेन का सतह परिवर्तन डेक्सट्रेन-पालीइथाइलीन नैनोपार्टिकल की ट्रान्सफेक्शन क्षमता को प्रभावित करता है। साफ्ट मैटर: 7; 2011; 11360-11371
118. त्रिपाठी एस.के; गोयल आर; कश्यप ए.पी; पंत ए.बी; हक डब्ल्यू; कुमार पी; गुप्ता के.सी। डीपॉलिमेराइज्ड काइटोसिन को बीपीईआई के साथ क्रियान्वित करके उसे मैक्रोफेज लक्ष्यीकरण में एक न्यूक्लिक अम्ल वाहक एवं टॉक्सिनयुक्त क्रियारूप की तरह प्रयोग किया गया है। बायोमैटीरियलस्: 33; 2012; 4204-4219
119. त्रिपाठी एस.के; गोयल आर; कुमार पी; गुप्ता के.सी। इनवाइवो एवं इन-विट्रो डीएनए/एसआईआरएनए वितरण में वाहकों के रूप में सक्षम-रेखीय पालीएलीनइमीन ग्राफ्ट- काइटोसिन सहबहुलक। नैनो मेडिसिन: नैनोटेक्नोलोजी, बायालोजी एण्ड मेडिसिन: 8; 2012; 337-345
120. वर्मा ए.के; कुमार एस; त्रिपाठी ए; चौधरी वी.पी; दास एम; द्विवेदी पी.डी। आनुवांशिक रूप से संशोधित फसलों में व्यक्त ट्रांसजेनिक प्रोटीन की कम्प्यूटेशनल विधि द्वारा एलर्जी परीक्षण। टॉक्सिकोलोजी लेटर्स: 210; 2012; 24-33

121. यादव ए; कुमार ए; द्विवेदी पी.डी; त्रिपाठी ए; दास एम। आरेन्ज 2 का प्लीनोसाइट में प्रतिरक्षा विषाक्तता क्षमता पर इनविट्रो अध्ययन। टाक्सिकोलोजी लेटर्स: 208; 2011; 239-245

122. यादव आर.एस; चन्द्रवंशी एल.पी; शुक्ला आर.के; संखवार एम.एल; अंसारी आर.डब्ल्यू; शुक्ला पी.के; पंत ए.बी; खन्ना वी.के। आरसेनिक जनित कार्यक्षमता दुष्प्रभाव पर हल्दी का तन्त्रिका तन्त्र रक्षात्मक प्रभाव। न्यूरोटाक्सिकोलोजी: 32; 2011; 760-768

123. यादव एस; चन्द्रा आर; राय वी। एमएनपी उत्पादक बेक्टीरिया और उसके उपापचयी उत्पादों का, स्थिर अवस्था में डी जायलोस के उत्प्रेरण प्रभाव से कृत्रिम मेलैनोइडिन्स के विरंजन में चरित्र-चित्रण। प्रोसेस बायोकेमेस्ट्री: 46; 2011; 1774-1784

124. यादव एस; दीक्षित ए; अग्रवाल एस; सिंह ए; श्रीवास्तव जी; सिंह ए.के; श्रीवास्तव पी.के; ओम प्रकाश; सिंह एम.पी। चूहों के मॉडलों और आधुनिक आणविक तकनीकों में उल्लेखनीय कदम: अपितु पार्किन्सन रोग के विकास में अपर्याप्त व्याख्यान। मोलीकुलर न्यूरोबायोलोजी: 46; 2012; 495-512

125. यादव एस; गुप्ता एस.पी; श्रीवास्तव जी; श्रीवास्तव पी.के; सिंह एम.पी। मैनब व पैराक्वेट द्वारा उत्पन्न पार्किन्सन के रोग में कैफीन के द्वारा तंत्रिका संरक्षण में द्वितीयक मध्यस्तों का उपयोग। न्यूरोकेमेस्ट्री रिसर्च: 37; 2012; 875-884

126. यादव एस; पाण्डेय ए; शुक्ला ए; तलवारकर एस.एस; कुमार ए; पंत ए.बी; परमार डी। एमआईआर-497 और एमआईआर- 302बी से बीसीएल-2 और सायक्लिन डी2 के द्वारा इथेनॉल प्रेरित तंत्रिका कोशिका क्षय का नियंत्रण। जर्नल ऑफ बायोलोजी एण्ड केमेस्ट्री: 286; 2011; 37347-37357

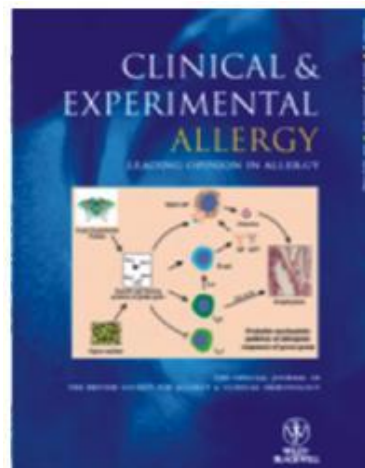
किताबों पर टिप्पणी

1- मिश्रा डी; तिवारी एस.के; चतुर्वेदी आर.के। तंत्रिका तन्त्र सम्बन्धित रोगों के लिए ज़ीन उपचार। केमिकल एण्ड न्यूरोएनाटॉमी: 42; 2011; 218

2- तिवारी एस.के; मिश्रा डी; चतुर्वेदी आर.के। न्यूरल स्टेम्स कोशिकायें विधि एवं नियम। केमिकल एण्ड न्यूरोएनाटॉमी: 42; 2011; 219

कवर पेज लेख

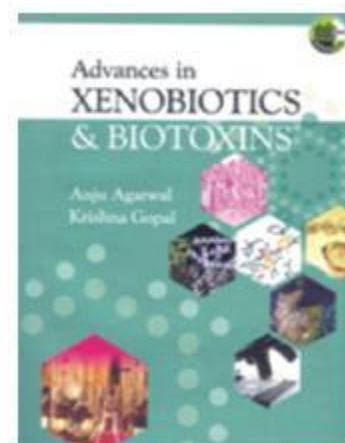
मिश्रा ए, कुमार आर, मिश्रा वी, चौधरी बी.पी, रईसुद्दीन एस, दास एम, द्विवेदी पी.डी। “मूंग (विग्ना रेडियेटा) के एलर्जी पैदा करने वाले सम्भावित तत्वों को बीजीय एल्बुमिन और क्यूपिन सुपरफेमिली के सदस्य के रूप में पहचाना गया। क्लिनिकल एण्ड एक्सपेरिमेंटल एलर्जी: 41(8); 2011; 1157-1168

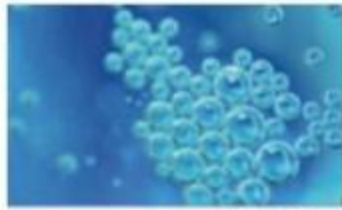


किताबें

किताबें-

अन्जू अग्रवाल और कृष्ण गोपाल (2012), जीनोबायोटेक्स व जैव विषैले तत्वों में अग्रगति। इन्टरनेशनल बुक पब्लिश एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर, लखनऊ, इण्डिया।





Advances in silver based
water disinfection
Advances in silver based processes for development
of water disinfection technologies

LAMBERT

पाठक एसपी (2012), चांदी द्वारा पानी के प्रदूषण को दूर करने में अग्रगति। लेम्बर्ट एकेडेमिक पब्लिशर, जर्मनी।

वी. मिश्रा, एन. मिश्रा और मुकुल दास (2011) खाद्य तेल अपमिश्रक (आर्जीमोन तेल व पीला मक्खन): एक्सपोजर विषाक्तता और आर्जीमोन तेल व पीले मक्खन द्वारा कैंसर पैदा करने का जोखिम। लेम्बर्ट एकेडेमिक पब्लिशिंग, बर्लिन, जर्मनी।



Edible oil Adulterants
(Argemone oil and
Butter yellow):
Exposure risk
Toxicity and carcinogenic potential of argemone oil and
butter yellow

LAMBERT

किताबों में अध्याय

1. पाठक एस.पी। जलीय जीवों पर जलीय दूषकों का विषाक्त प्रभाव: इन्वायरमेन्टल हेल्थ: ह्यूमन एण्ड एनिमल रिस्क मैनेजमेंट में: गर्ग एस आर (एडिटर) पब्लिशर: सतीश सीरियल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली: 2012;159-174
2. अन्जू अग्रवाल तथा कृष्ण गोपाल। कृत्रिम कीटनाशकों की जैव गुणवत्ता व पर्यावरणीय सुरक्षा का मूल्यांकन; प्रोसीडिंग्स ऑफ बायोसेफ्टी एण्ड इन्वायरमेन्टल इम्पैक्ट ऑफ जेनेटिकली मोडीफाईड ऑर्गानिज्म एण्ड कन्वेंशनल टेक्नोलोजी फॉर पेस्ट मैनेजमेंट में, 2012
3. इकबाल अहमद तथा हुमा सिद्दीकी। पर्यावरण में एस्बेस्टर की उपस्थिति से स्वास्थ्य जोखिम: पर्यावरणीय सुरक्षा; इन्वायरमेन्टल हेल्थ: ह्यूमन एण्ड एनिमल रिस्क मिटीगेशन में: सतीश सीरियल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली- 2011; 89-110
4. मुकुल दास; खाद्य सुरक्षा। www.vigyanprasar.gov.in (2011); 1-7

5. आशुतोष कुमार, आलोक के पाण्डे, ऋषि शंकर तथा आलोक धवन। सूक्ष्मजीव: रूपांतरित नेनोपार्टिकल की विषाक्तता मूल्यांकन के लिये बहुउपयोगी मॉडल; नेनो-एन्टीमाइक्रोबियल्स: प्रोग्रेस एण्ड प्रोस्पेक्ट्स में। सम्पादक डा. निकोल सिऑफी तथा डा. महेन्द्र राय। पब्लिशर-स्प्रिन्जर वेरलेग, GmbH, 2012; 497-524

6. आलोक धवन तथा महिमा बाजपेयी। मानव के जैवअनुश्रवण अध्ययनों में जैवसूचक: एक भारतीय दृष्टिकोण; बायोमार्कर्स एण्ड ह्यूमन बायोमॉनीटरिंग में; एडिटर- लिजबेथ क्नुड्सेन। पब्लिशर: द रॉयल सोसायटी आफ केमिस्ट्री: 2011; 107-134